18 हौसले की उड़ान

यह पाठ बिहार की बेटियों की असाधारण विशेषताओं का उद्घाटन करता है। बिहार की बेटियों का यह संसार समाज की रूढ़ियों पर प्रहार है। आधुनिक बिहार की बेटियों की संघर्ष और उनके हौसले की उड़ान से हमें परिचित कराता है यह पाठ।

P43EEB

खूबसूरत और न्यायप्रिय व्यवस्था के निर्माण में शिक्षा और संघर्ष की अहम भूमिका होती है। यह भूमिका यदि बेटियों के समूह से आए तो बदलाव की नयी बयार का अहसास होता है लंबे समय से दमन, उत्पीड़न और उपेक्षा की शिकार बेटियों को ज्ञान और स्वाधीनता का स्वाद लग चुका है। आइए कुछ ऐसी ही बेटियों से मिलें, जिन्होंने अपने हौसले की उड़ान के बल पर सामाजिक ताने-बाने को बदलने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभायी।

नोखा प्रखंड, रोहतास की गुड़िया से मिलकर आपको एहसास हो जाएगा कि पढ़ाई का जुनून क्या होता है। गुड़िया के माता-पिता उसकी पढ़ाई के लिए राज़ी नहीं थे। एक दिन गुड़िया ने कुछ कर गुज़रने का हौसला महसूस किया। पिता मो० असीन इदरीसी को माँ समेत उसने घर में बंद कर दिया और तेरह किलोमीटर पैदल चल कर नोखा के उत्प्रेरण केन्द्र पहुँच गयी। वहाँ पहुँच उसने अपना नामांकन कराया। पेशे से ड्राइवर पिता को इस बात की जानकारी दो दिनों बाद मिली। आनन-फानन में वे उत्प्रेरण केन्द्र पहुँचे और बेटी को घर लाने की ज़िद पर अड़ गये। पर बेटी ने साफ तौरपर इनकार कर दिया। पिता को समाज की बंदिशों की चिंता थी, पर गुड़िया के आगे उनकी एक न चली। कुछ समय बाद उत्प्रेरण केन्द्र बंद हो गया। अब गुड़िया ने गाँव के स्कूल में अपना नामांकन करा लिया है। वह पढ़-लिखकर अध्यापिका बनना चाहती है। उसका सपना है कि अपनी जैसी लड़कियों के साथ ही उन लड़कियों की भी इच्छा पूरी कर सके जिनके मन में पढ़ने की ललक तो है, पर बाधाएँ जिन्हें पराजित कर देती हैं। गुड़िया गाँव समेत अपने इलाके में मिसाल बन गयी है।

कैमूर के चेनारी प्रखंड के मथही गाँव निवासी विष्णु शंकर तिवारी ख़ुशी से फूले नहीं समा रहे थे। दरअसल उनकी बेटी सोनी ने पूरे ज़िला में एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 400 मीटर और 1600 मीटर की दौड़ में पहला स्थान प्राप्त किया था। वह गाँव ही नहीं पूरे प्रखंड की चहेती बन गयी। सोनी का हौसला लगातार बढ़ता गया। वह राज्यस्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्रतिभागी बन जमालपुर गयी, जहाँ उसे पहला स्थान मिला। फिर उसने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया। सोनी को विश्वास है कि एक दिन वह पूरे देश का भी प्रतिनिधित्व करेगी और देशवासियों की उम्मीद पर खरी उतरेगी।

कदम अपने उम्र की बच्चियों से अलग है। वह अध्ययनविरोधी ताक़तों के ख़िलाफ़ तनकर खड़ी हो जाने का हौसला रखती हैं फिर वह इसकी परवाह नहीं करती कि सामने खड़ा

आदमी कितना खतरनाक है। गणेशपुर मुशहरी प्राथमिक विद्यालय, बख्तियारपुर प्रखंड, मुंगेर जिला निवासनी कदम नरेगा कार्यस्थल के ठेकेदार के सामने बच्चों के जुलूस की नेत्री के रूप में तन कर खड़ी हो गयी । उसने ठेकेदार को साफ तौरपर कहा कि यदि कार्यस्थल पर हमारे स्कूल का एक भी बच्चा या बच्ची काम करते दिखे तो हम आपका काम नहीं होने देंगे। कदम स्कूल के बाल संसद की प्रधानमंत्री हैं पिता जितेन्द्र मांझी और माँ शांति देवी को अपनी इकलौती बेटी पर नाज़ है। कदम बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती है और लोगों के दुख-दर्द दूर करने का जज्बा रखती है।

मथुरापुर कहतरवा पंचायत शिवहर के 94 वर्षीय मोहम्मद अब्दुल रहमान खान को अपनी पोती जैनब खानम पर गर्व है। वे जैनब की उम्रदराज़ी के लिए अल्लाह से दुआ माँगते हैं। दरअसल दादा जैनब के जीवट और इल्म (ज्ञान) की ललक के प्रति खासे संजीदा हैं। मोहम्मद मंसूर खान एवं फूलबीबी बेटी जैनब की पढ़ाई महज़ तीन दर्जे के बाद ही छुड़ा दी गयी। वजह पर्दा प्रथा की जकड़बंदी थी। लेकिन जब गाँव में ही जगजगी केन्द्र खुला तब एक बार फिर जैनब की ललक परवान चढ़ी। मार खाने के बावजूद वह तालीम (शिक्षा) के लिए स्कूल जाने लगी। फिर जैनब पीछे मुड़कर नहीं देखी। अब वह बी०ए० में पढ़ रही है, साथ ही लड़कियों को महिला शिक्षण केन्द्र में शिक्षित भी कर रही हैं। लड़कियों की आत्मरक्षार्थ प्रयासों में भी वह सहायक बनी है। ब्लू बेल्ट प्राप्त जैनब आत्मरक्षार्थ लड़कियों को कराटे का प्रशिक्षण भी दे रही है।

आपने देखा कि कैसे दृढ़ इच्छा शक्ति और बदलाव की इच्छा रखने वाली सामान्य बेटियों ने असाधारण काम किया और समाज के हौसले को बढ़ाया। बिहार की ये बेटियाँ आप सभी का आह्वान करती हैं कि शोषितों-वंचितों के प्रति मानवोचित दृष्टि का व्यवहार करें और उनके लिए किये जा रहे संघर्षों के प्रति सम्मान का भाव रखें।

पा०पु०वि०स०

शब्दार्थ

ज़ज़्बा	–	ज़ोश
उम्रदराजी	–	लंबी उम्र के लिए
परवान चढ़ना	–	अत्यधिक उन्नति करना

गतिविधि

1. आप अपने पास-पड़ोस में किसी ऐसी लड़की या औरत के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए जो रूढ़ियों के विरुद्ध आवाज़ बुलंद की हो।
2. वैसी महिलाओं की सूची बनाइए जिन्होंने अपने कार्यों से समाज में एक अलग मुकाम प्राप्त किया है।